खाने के लिए धूल

एन टर्नर

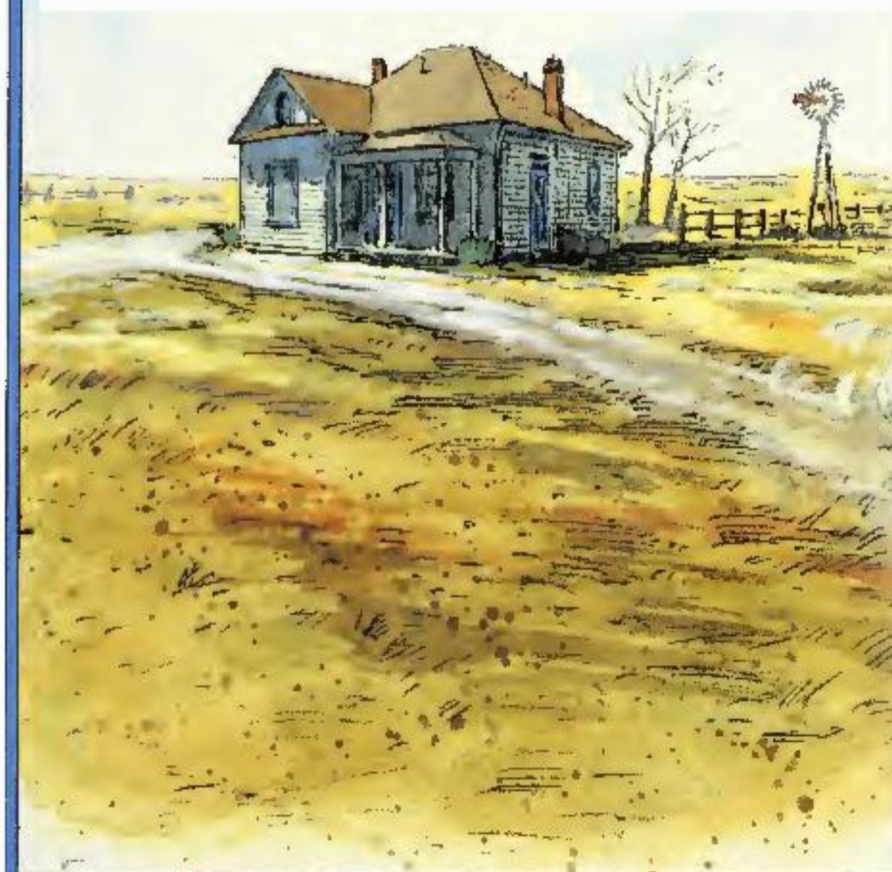
चित्र: रॉबर्ट बैरेट



खाने के लिए धूल

एन टर्नर

चित्र: रॉबर्ट बैरेट



विषय वस्तु

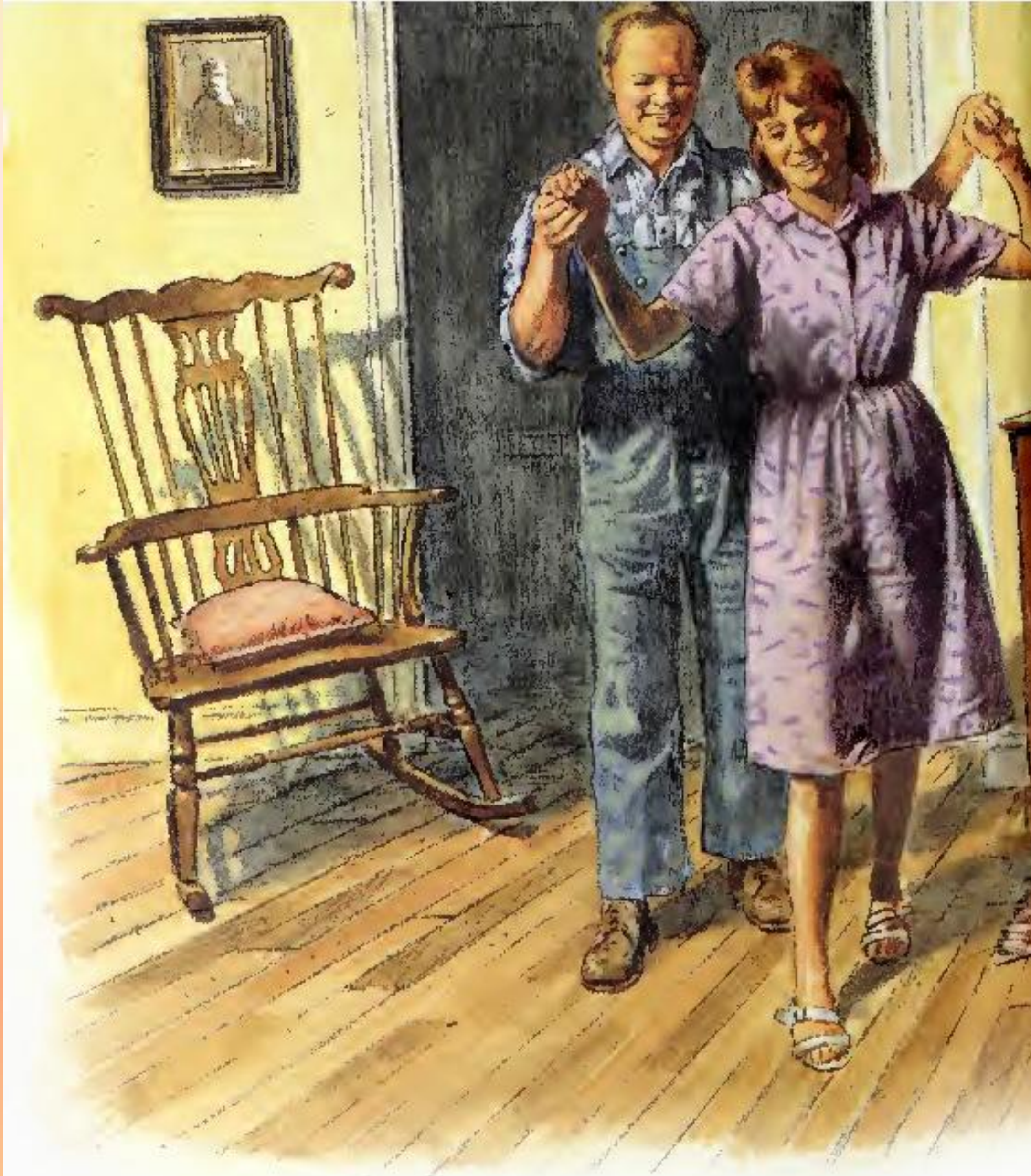


1. धूल का तूफ़ान

हम एक छोटे से घर में रहते थे

एक खुली जगह पर.







माँ के पास एक रेडियो था,

और हमें रात में नाचना

बहुत पसंद था.

पापा ने मुझसे कहा,

"तुम खरपतवार की तरह बढ़ रहे हो, जेक!"

"मैं मकई के पौधों जितना लंबा हूँ," मैंने कहा.



लेकिन एक साल बारिश नहीं हुई,

पर हवा चली.

हमने रेडियो उतना नहीं सुना,

और हमने शायद नृत्य भी नहीं किया.

"काश हमारा गेहूँ भी

तुम्हारी तरह तेज़ी

से बढ़ता, जेक," पापा ने कहा.

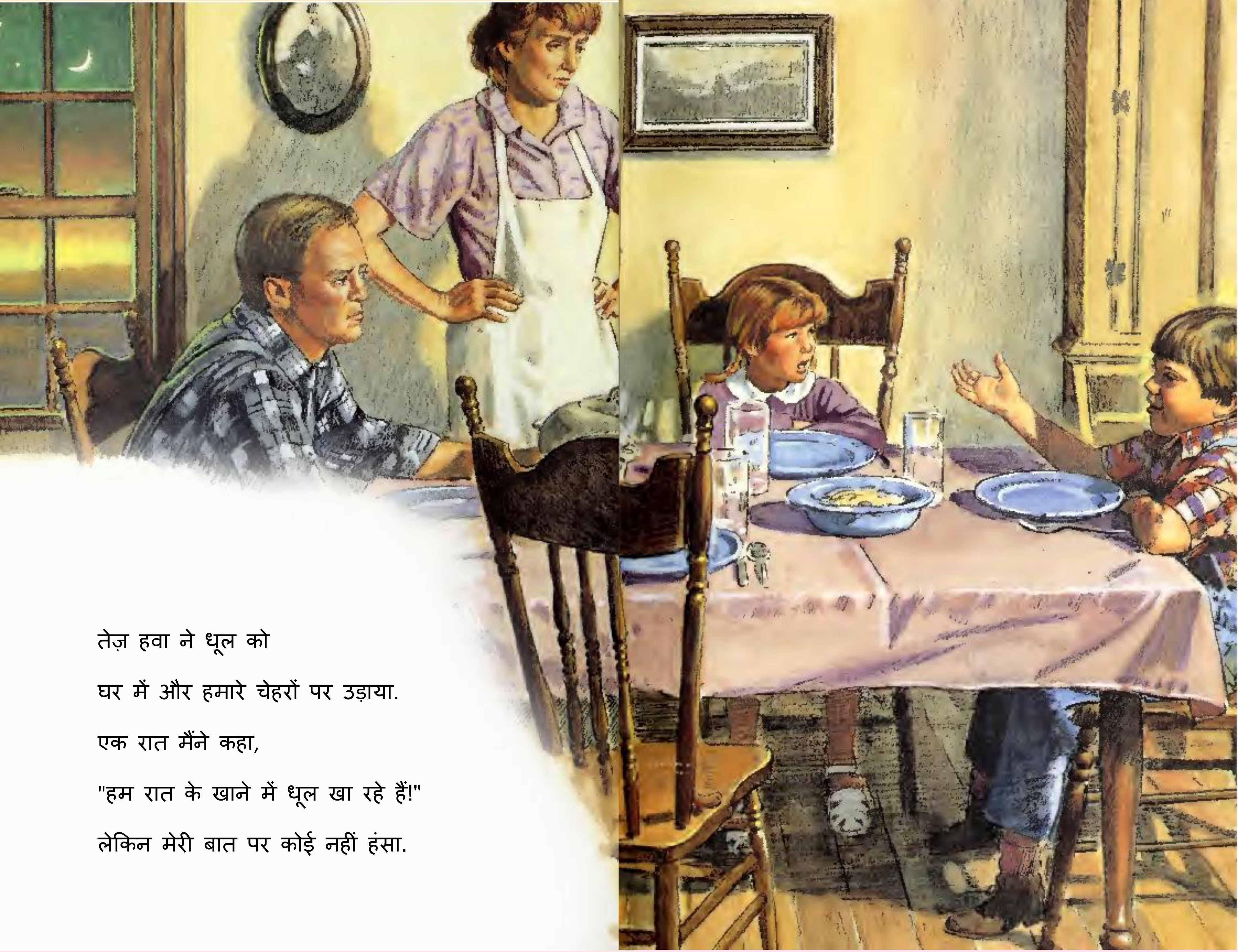
"बारिश कहाँ चली गई?" मैगी ने पूछा.

पापा ने बस अपना सिर हिलाया.

हम सबने आसमान की ओर देखा

और चिंतित हुए.





तेज़ हवा ने धूल को

घर में और हमारे चेहरों पर उड़ाया.

एक रात मैंने कहा,

"हम रात के खाने में धूल खा रहे हैं!"

लेकिन मेरी बात पर कोई नहीं हंसा.



अगले दिन आसमान में अंधेरा छा गया.

"उस गड़गड़ाहट को सुनो!"

मैगी चिल्लाई.

गाय इधर-उधर भाग रही थीं.

हमारा कुत्ता सैम

भौंकने और चीखने लगा.



"तूफान आ रहा है!" पापा चिल्लाए.

"जल्दी करो! जानवरों को

खलिहान में रखने में मेरी मदद करो."

"मैगी, स्नोबॉल को मत भूलना!"

मैंने कहा.





फिर एक काला बादल

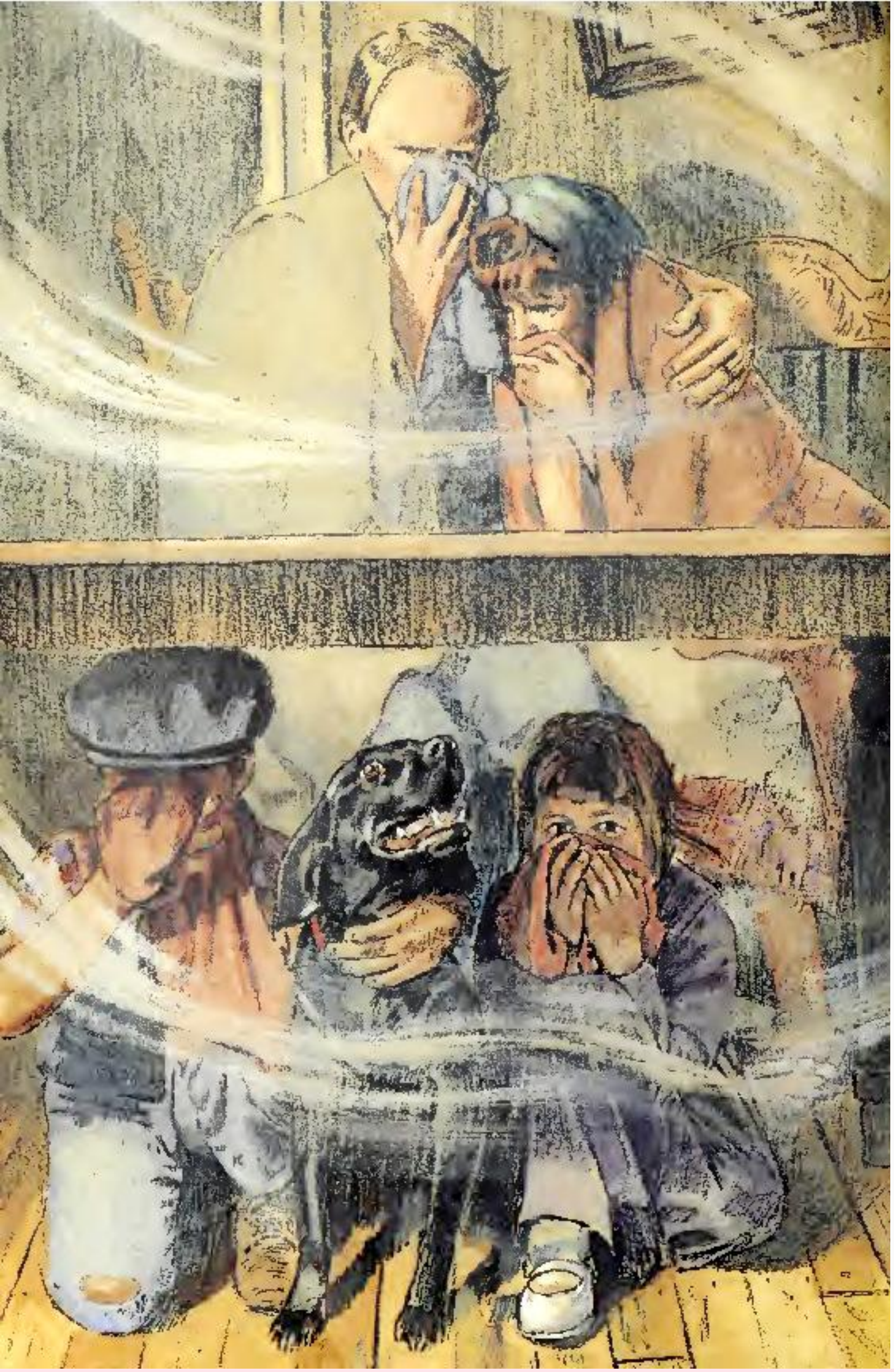
आसमान पर छा गया.

बिजली चमकी.

“घर की ओर भागो!" पापा चिल्लाए.

धूल ने मेरे चेहरे को

एक डंक मारा.



पापा ने सभी खिड़कियाँ

और दरवाज़े बंद कर दिए,

लेकिन धूल अभी भी अंदर उड़ रही थी.

"धूल को कोई नहीं रोक सकता!"

माँ रो पड़ी.

माँ ने हमें गीले कपड़े दिए

ताकि हम उन्हें अपने चेहरे पर

लपेट सकें.

तूफ़ान की आवाज़ ऐसी लग रही थी

जैसे कोई ट्रेन गुज़र रही हो.

बहुत देर बाद हवा रुकी.

माँ ने कहा,

"अब तूफ़ान खत्म हो गया है."

"बारिश के बिना तूफ़ान कैसे

आ सकता है?" मैगी ने पूछा.

पापा ने कहा, "यह धूल का तूफ़ान है,

काले बर्फ़ीले तूफ़ान जैसा."

माँ खाँसी और बोली,

"बारिश फिर बाद में आएगी.

शायद अगला साल बेहतर हो."



2. बिक गई!

लेकिन अगले साल भी बारिश नहीं हुई.

मक्का और गेहूँ के पौधे बौने बने रहे.

"पेड़ कंकाल जैसे दिखते हैं,"

मैगी ने कहा.

"पट्ठों के बढ़ने के लिए भी

पर्याप्त पानी नहीं है!" मैंने कहा.

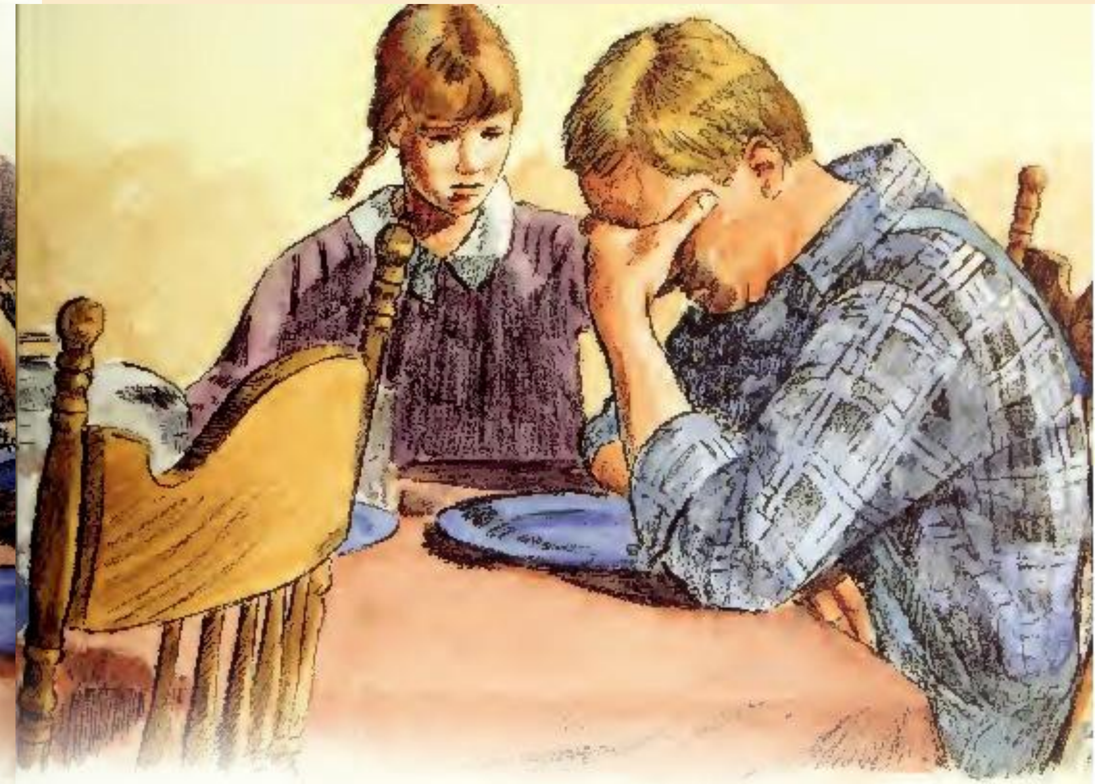
हम डर गए.

फिर दो और धूल भरी आँधियाँ आईं,

और हमारी पाँच गायें मर गईं.







एक रात पापा ने कहा,

"अब पैसे नहीं बचे हैं.

फ़सल नहीं होने का मतलब है

पैसों का खत्म होना."

"क्या हमें खेत बेचना पड़ेगा?"

मैंने पूछा.

"हाँ," पापा ने कहा, "नीलामी में,

ठीक हमारे पड़ोसियों की तरह."

"शायद किसी दूसरी जगह पर

हालात बेहतर हों," माँ ने कहा.

"हमारे पड़ोसी कैलिफ़ोर्निया चले गए हैं,"

पापा ने कहा. "हम भी वहीं जाएँगे.

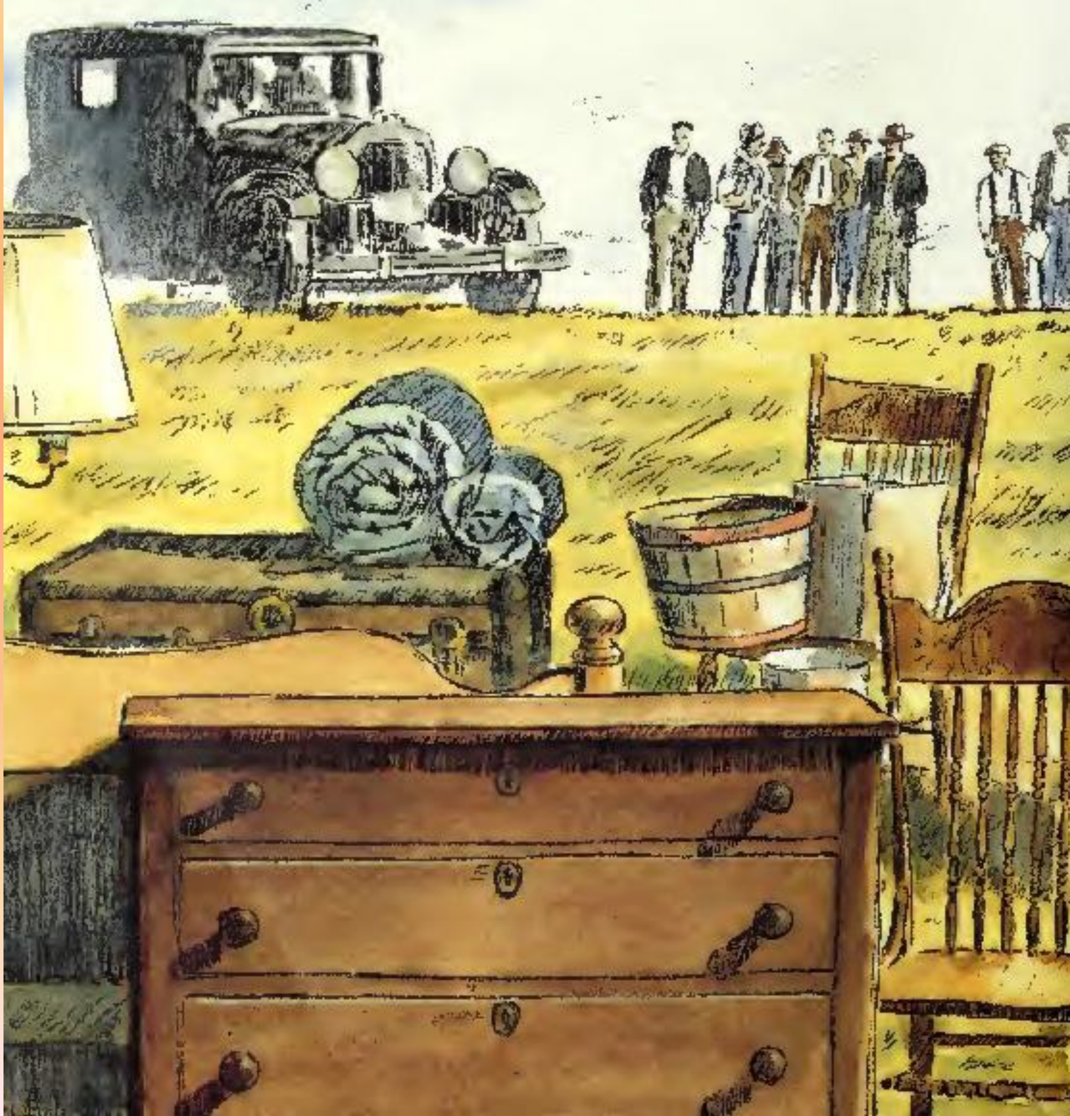
वहां नौकरी होगी और धूल नहीं होगी."

"कैलिफ़ोर्निया में धूल नहीं होगी"

मैगी ने गाया, और हम मुस्कुराए.

नीलामी का दिन आया.

एक काली कार आई.



"यह एक अंतिम संस्कार

जैसा लग रहा है," मैंने माँ से कहा.

माँ ने रेडियो पकड़ा और कहा,

"जल्दी करो, जेक, इसे

भूसे के ढेर में छिपा दो.

फिर वे हमारा रेडियो नहीं ले जा सकेंगे!"



जब मैं वापस आया,

एक आदमी माँ की कुर्सी बेच रहा था.

"बिक गई!" उस आदमी ने कहा.

एक अजनबी ने वो खरीद ली.

"वे स्नोबॉल को बेच रहे हैं,"

मैगी ने कहा,

और फिर अपनी आँखें मलीं.

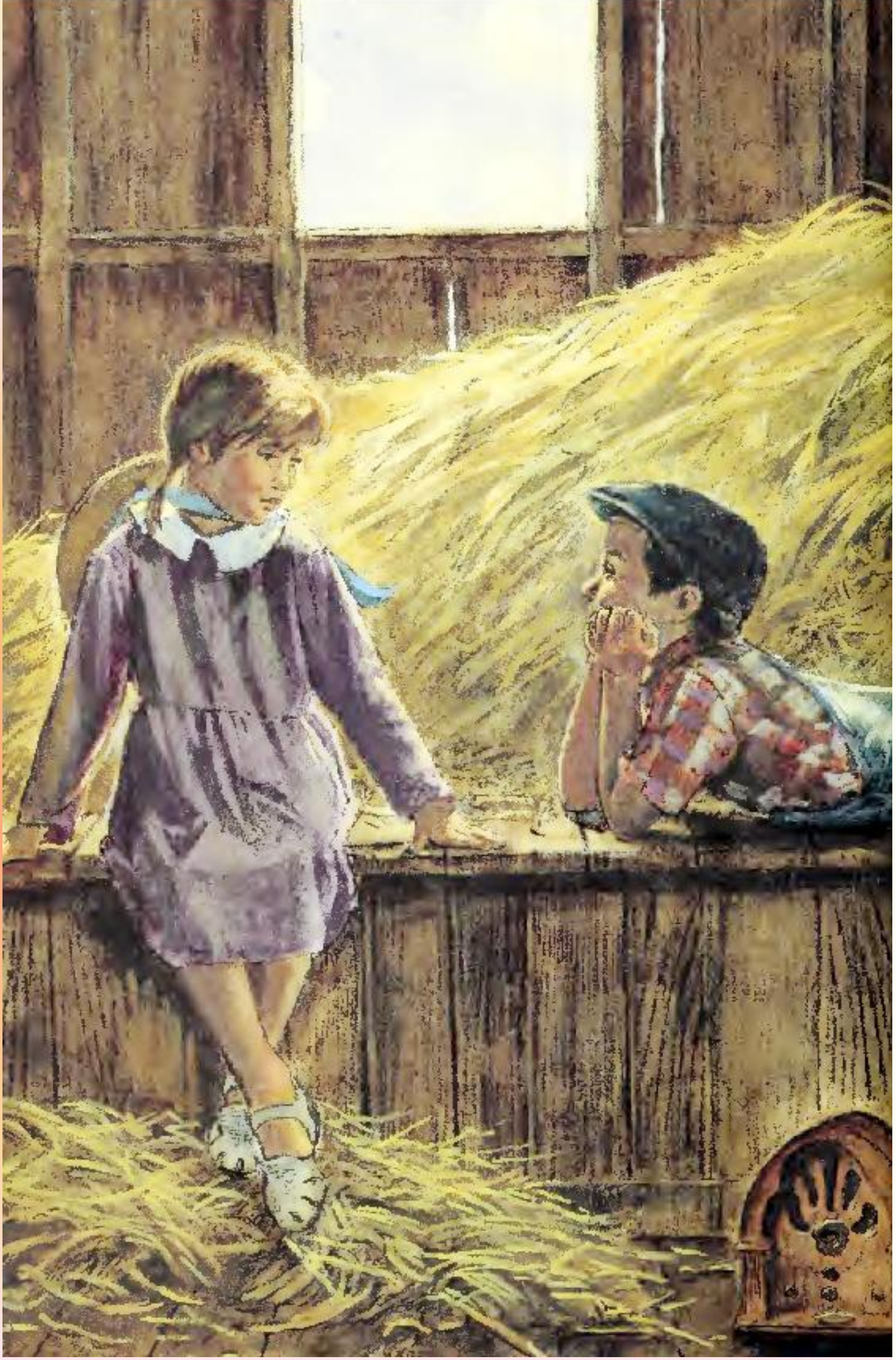
"बिक गई!"

और मि. ब्राउन ने मैगी की भेड़ें

और हमारी गायें खरीद लीं.







फिर मैगी और मैं भूसे के ढेर पर गए.

"अब यह हमारा खेत नहीं रहा,"

मैंने दुखी होकर कहा.

"कल हम यहाँ से चले जाएँगे."

"कम से कम उन्होंने

माँ का रेडियो नहीं बेचा," मैगी ने कहा.

"और हमारे पास अभी भी

सैम कुत्ता तो है," मैंने कहा.



3. आगे बढ़ना

अगले दिन हमने सामान पैक किया.

“वे हमारा ट्रक नहीं ले जा सके,"

पापा ने कहा. "ट्रक हमारा अपना है!"

जेक, हमारा रेडियो लेकर आओ.

"वे हमारा संगीत नहीं ले जा सके!"

माँ ने कहा, और फिर पापा

पहली बार मुस्कुराए.

"चलो, सैम!" पापा ने कहा.







मैगी ने अलविदा कहा,

लेकिन मैंने कहा,

"तुम किसको हाथ हिला रही हो?

हमारे जानने वाले सभी लोग

अपने खेत बेच-बेचकर पहले ही

पश्चिम की ओर चले गए हैं."

"जब हम कैलिफोर्निया पहुँचेंगे,

तो क्या हम रात के खाने में धूल खाएँगे?"

मैगी ने पूछा.

पापा ने गियर बदला और चिल्लाए,

"कैलिफोर्निया में कोई धूल नहीं होगी!"

"कैलिफोर्निया में कोई धूल नहीं होगी!"

हमने गाना गाया और सैम

अपनी ऊंची आवाज में चिल्लाया.

पापा ने पूरे दिन गाड़ी चलाई.

उस रात हमने अपना टेंट

सड़क के पास

दूसरे लोगों की बगल में लगाया.

"हर कोई पश्चिम की ओर

जा रहा है," माँ ने कहा.

"मुझे अपना घर याद आता है"

मैगी ने धीरे से कहा.

"मुझे भी," मैंने कहा और

फिर मैंने सैम को गले लगाया.







हम सूरज उगने से पहले ही निकल पड़े.

पापा सड़क के पास के खेत में रुके.

उन्होंने और माँ ने पूछा,

"क्या हम आपकी गायों का

दूध निकाल सकते हैं?"

आप बदले में हमें

सिर्फ भोजन दे दें."

उस दिन तो हमें काम मिल गया.

लेकिन अन्य दिनों काम नहीं मिला

और फिर हमारे पास खाने के लिए

केवल रोटी और पानी ही बचता था.





"क्या होगा अगर पापा को

कैलिफोर्निया में नौकरी

नहीं मिली?" मैंने पूछा.

"चुप रहो!" माँ ने कहा.

"पापा कोई नौकरी ज़रूर ढूँढ लेंगे"

उस रात माँ ने पापा से कहा,

"शायद अब रेडियो

बेचने का समय आ गया है"

"अभी नहीं," पापा ने कहा.

"मैं कोई काम जरूर ढूँढ लूँगा.

हम थोड़ा और इंतज़ार करेंगे."



4. मुसीबत

पापा को रास्ते में

छोटे-मोटे काम मिले

और हमने रेडियो नहीं बेचा.

तीन हफ़्ते बाद

पापा ने ट्रक को

एक बड़े खेत में रोका.

उन्होंने फार्महाउस का

दरवाज़ा खटखटाया.

हम ट्रक में इंतज़ार करते रहे.





अगले दिन

पापा ने बगीचे में काम किया,

और माँ ने बड़े घर में मदद की.

मैगी और मैंने मुर्गियों को खाना खिलाया.

"अच्छा बने रहो, सैम," मैंने कहा.

"इन मुर्गियों को देखो तक मत!"

माँ ने मेरा हाथ कसकर पकड़ रखा.

कुछ देर बाद पापा वापस आए

और वो ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाए,

"मुझे एक असली काम मिल गया है!"

मैगी और मैं बाहर निकले और नाचने लगे.

हम हँसे और गाने लगे,

"शी विल बी कमिंग अराउंड

द माउंटेन्स."





उस रात हमने रात को मांस खाया,

और माँ ने हमारे लिए गाना गाया.

सुबह पापा ने कहा,

"चलो तम्बू ठीक करें.

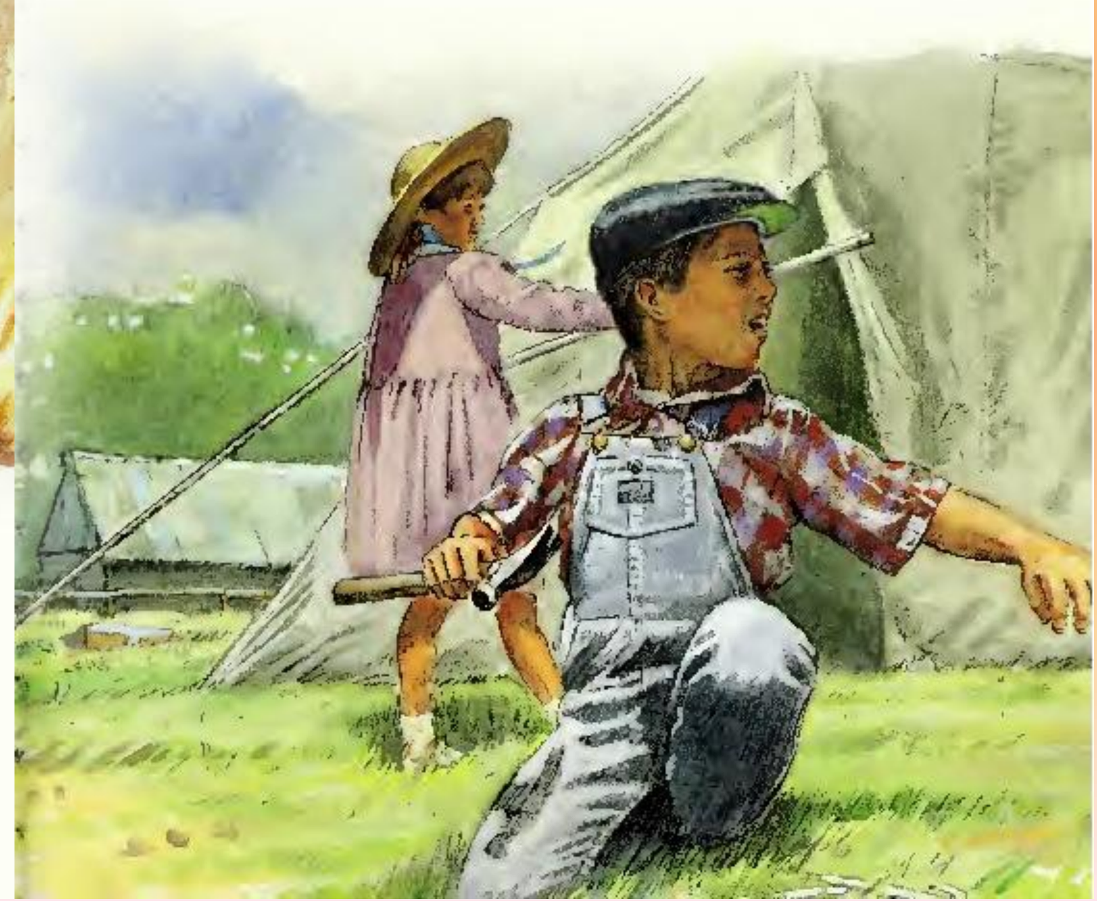
हवा ने कुछ खूंटे उखाड़ दिए है."

जब हमारा काम खत्म हो गया

फिर मैंने सैम को ढूँढ़ा.

लेकिन वो गायब था.

अचानक, मैंने एक तेज़ आवाज़ सुनी.





"जेक, मुर्गियाँ!“ मैगी चिल्लाई.

हम मुर्गीघर की ओर भागे,

लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी.

सैम के मुँह में एक मुर्गा था,

"ओह, सैम, तुम यह क्यों किया!"

मैं रोने लगा.

बाद में पापा ने सख्ती से कहा,

"किसान ने मुझसे कहा है,

या तो कुत्ता रहेगा, या हम लोग रहेंगे."

"हम सैम को कैसे जाने दे सकते हैं?"

माँ ने कहा.

"हमारे पुराने फार्म की

अब बस वही एक याद बची है."

पापा को माँ से सहमत होना पड़ा.

मैगी और मैंने आह भरी.

"चिंता मत करो,"

माँ ने मुझे गले लगाते हुए कहा.

"पापा कोई और नौकरी ढूँढ लेंगे."

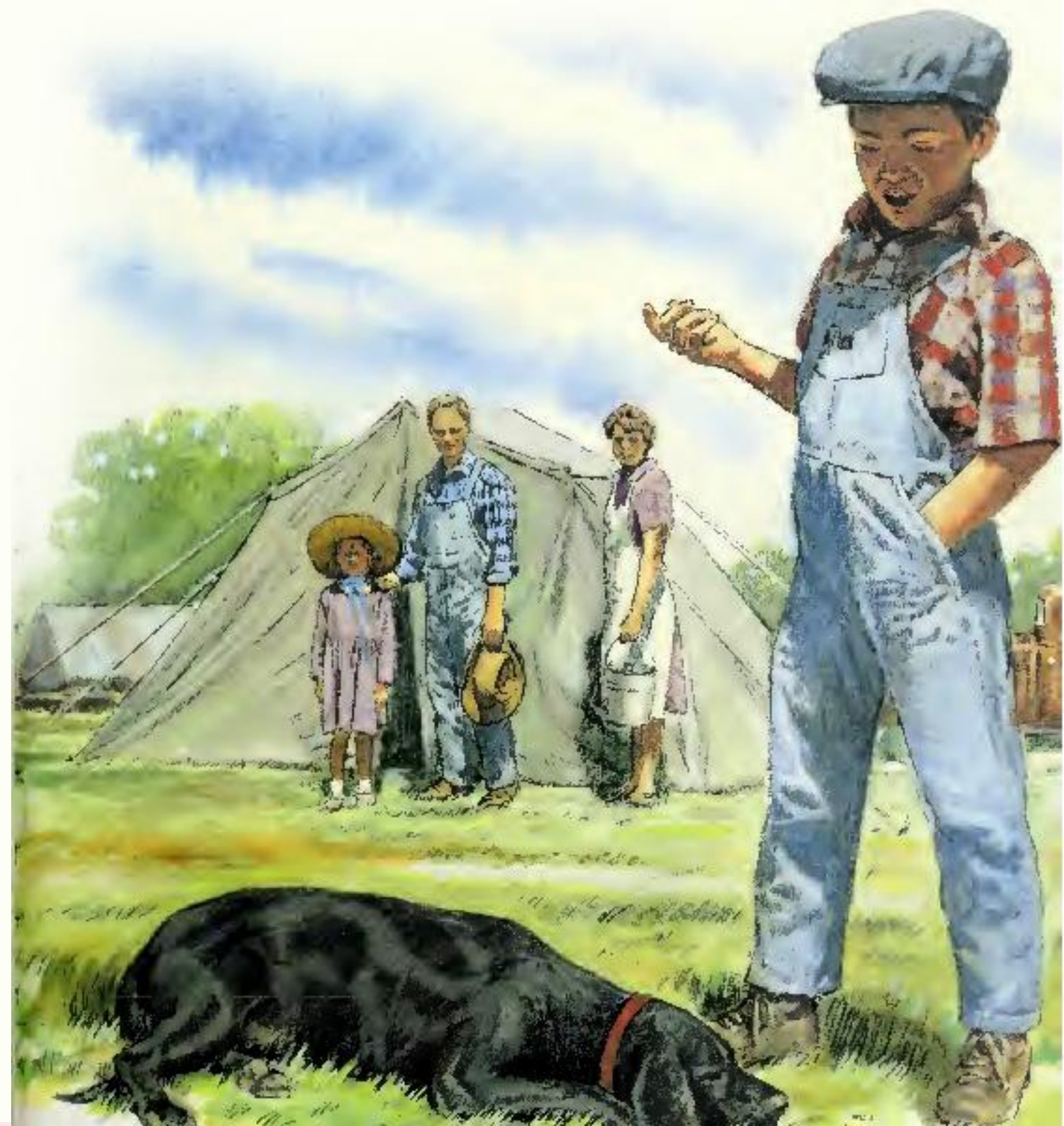
लेकिन पापा और माँ चिंतित लग रहे थे.

मैंने सैम से कहा,

"पापा की नौकरी चली गई,

और यह सब हमारी गलती है.

अब हम क्या करेंगे?"





5. एक घर

हमने अपना ट्रक पैक किया

और फिर निकल पड़े.

पापा ने कहा, "हम तब तक नहीं रुकेंगे

जब तक हम सैन फ्रांसिस्को नहीं पहुँचते."

"मैंने सुना है कि

वहाँ खूब नौकरियाँ हैं और धूल नहीं है."

हमने शहर के बाहर डेरा डाला.

पापा ने कहा,

"कैलिफ़ोर्निया में भीड़ है."

"हर कोई नौकरी चाहता है."

"हम सभी के लिए यह एक कठिन

समय है," माँ ने कहा,

"लेकिन तुम्हें कुछ न कुछ

मिल ही जाएगा."



हर दिन पापा नौकरी

की तलाश करते थे.

हर रात वे हमें बताते थे

कि वे कहाँ-कहाँ गए.

माँ ने हमें उन सभी लंबे,

धीमे दिनों में पाठ पढ़ाए.





एक रात मैगी ने आह भरी,

"क्या हम फिर कभी एक घर में रहेंगे?"

"चुप रहो," माँ ने कहा.

"धीरे-धीरे चीजें जरूर बेहतर होंगी."

"कब?" मैगी ने पूछा,

लेकिन माँ का चेहरा

सख्त दिख रहा था.



फिर एक दिन पापा घर आए

और बोले, "मिठाई लाओ!

अब मुझे नौकरी मिल गई है!

मैं एक बड़ी दुकान में

चौकीदार का काम करूंगा."

उन्होंने हमें गले लगाया

हमने उन्हें खाने को कुकीज़ दीं.

यहां तक कि सैम को भी

एक कुकी मिली.

"क्या हमारे एक घर होगा?"

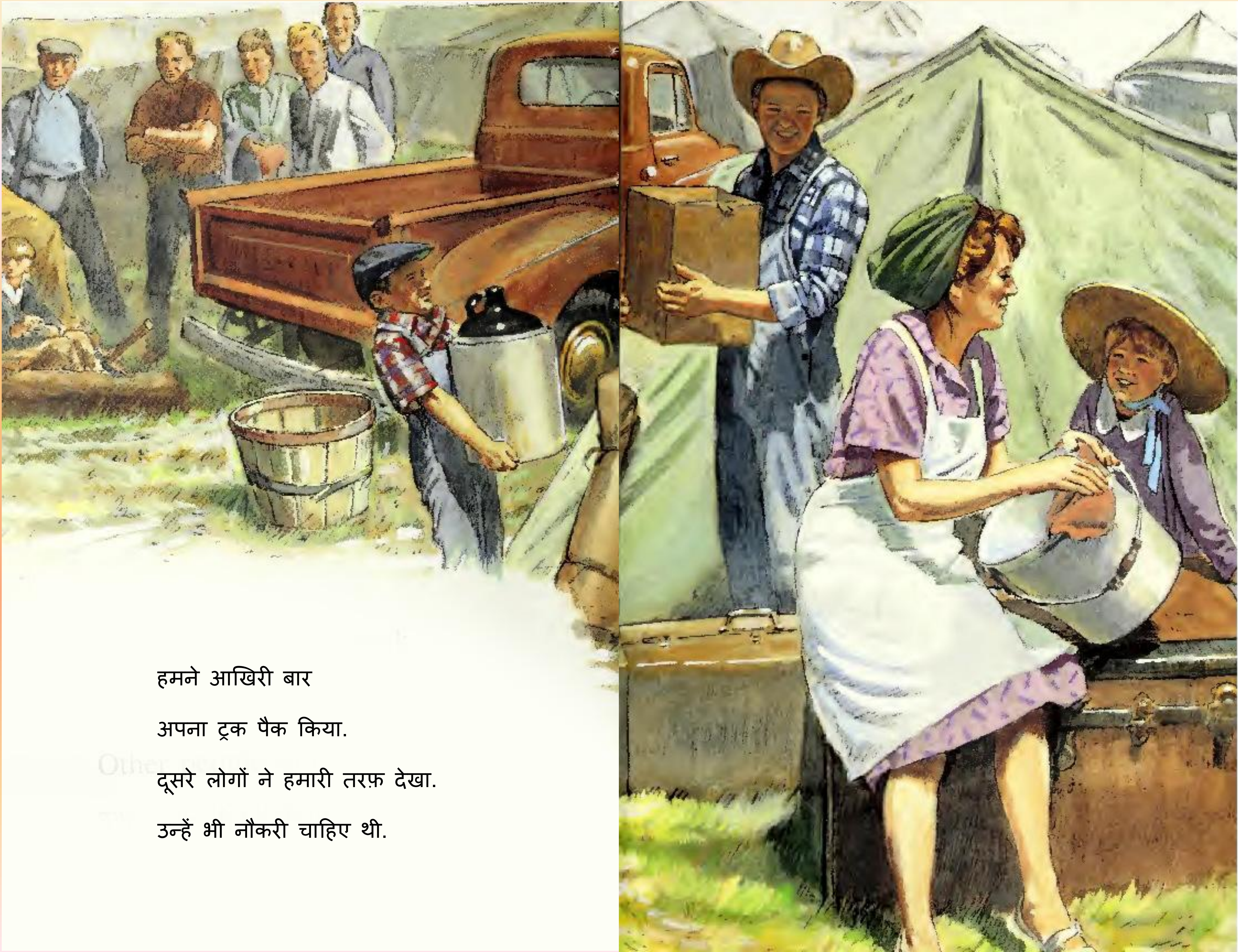
मैगी ने पूछा.

"हमारे पास एक घर होगा"

पापा ने कहा.

माँ ने कहा,

"और हमारे पास संगीत भी होगा!"



हमने आखिरी बार

अपना ट्रक पैक किया.

दूसरे लोगों ने हमारी तरफ़ देखा.

उन्हें भी नौकरी चाहिए थी.

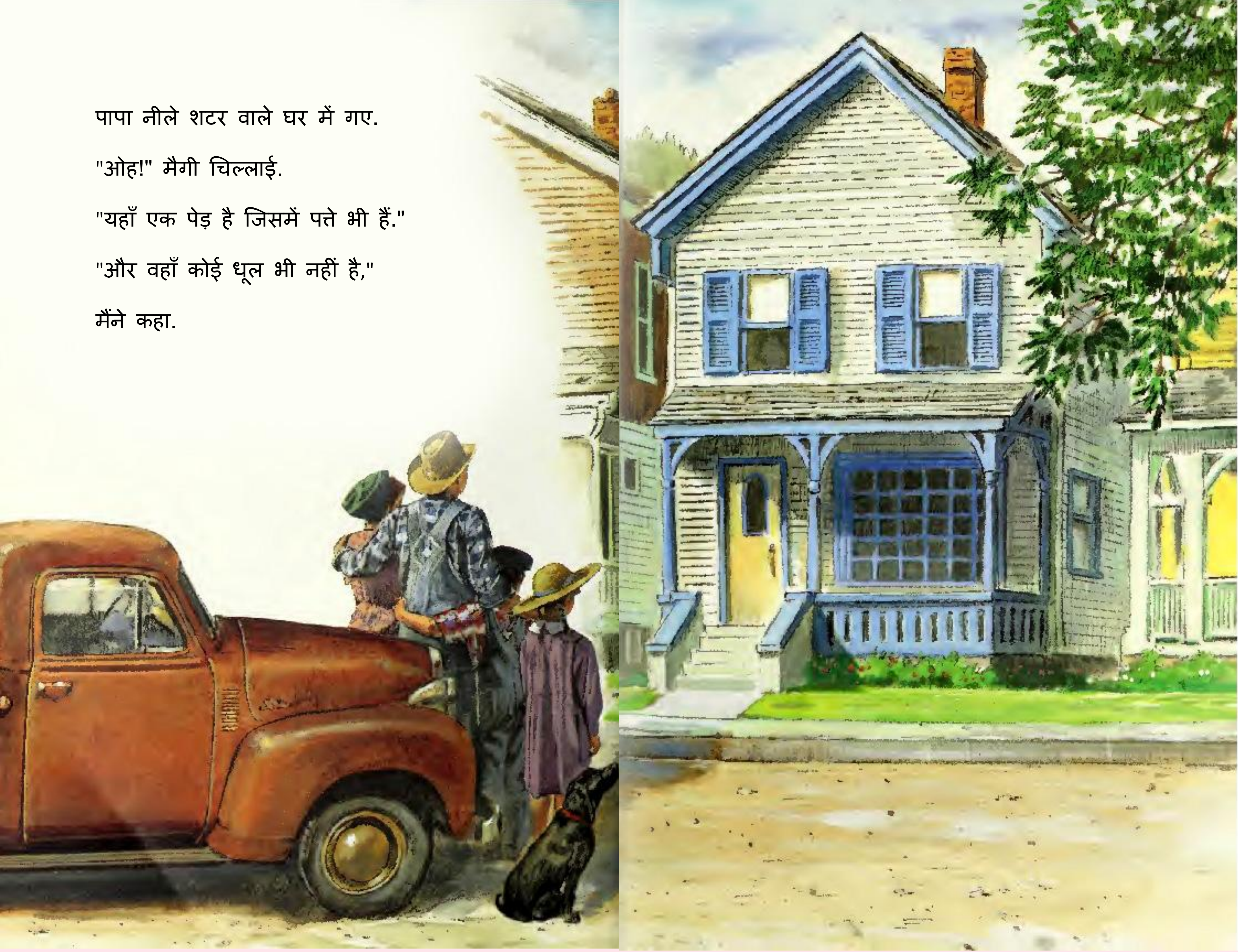
पापा नीले शटर वाले घर में गए.

"ओह!" मैगी चिल्लाई.

"यहाँ एक पेड़ है जिसमें पत्ते भी हैं."

"और वहाँ कोई धूल भी नहीं है,"

मैंने कहा.







माँ ने रेडियो को मेज पर रखा.

एक मधुर, उदास गीत बजने लगा.

"भगवान. मैं इस सड़क पर जा रहा हूँ,

मुझे लग रहा है कि..."

"यह गीत हमारे बारे में है," मैंने कहा.

"यह गीत, कठिन समय

के बारे में है," पापा ने कहा.

"और यात्रा के बारे में," मैगी ने कहा.

"और फिर भी साथ में रहने के बारे में,"

माँ ने कहा.

गीत खत्म होने के बाद

हमने एक-दूसरे को

बहुत देर तक गले लगाया.

सैम ने अपनी नाक उठाई और चिल्लाया.

"वह जानता है कि

अब हम अपने घर में हैं," माँ ने कहा,

और हम मुस्कुराए.



लेखक का नोट

1930 के दशक में, हवाओं ने टेक्सास, ओक्लाहोमा, कंसास, कोलोराडो और न्यू मैक्सिको के कुछ हिस्सों के सूखे खेतों से मिट्टी को हटा दिया - एक ऐसा क्षेत्र जिसे "डस्ट बाउल" के रूप में जाना जाता है. तेज़ हवाओं ने मिट्टी को धूल के घने, चक्करदार बादलों में उड़ा दिया जिससे लोग और जानवर डर गए और संपत्ति बर्बाद हो गई. लोग अपने घरों की ओर भागे और अपने मुंह पर गीले कपड़े बांध लिए ताकि वे सांस ले सकें. अगर जानवर धूल के तूफान में फंस गए, तो कभी-कभी उनका दम घुट जाता था.

ये तूफान कई कारणों से आए. चूँकि उस समय शायद ही कोई बारिश होती थी, इसलिए मिट्टी महीन और सूखी थी. पेड़ मर गए, घास मुरझा गई और जड़ें सूख गईं, इसलिए मिट्टी को थामे रखने के लिए कुछ भी नहीं था. किसानों को नहीं पता था कि अपने खेतों को किस तरह से जोता जाए ताकि धूल उड़ न जाए.

चूँकि किसान अब ज़मीन से नहीं जिंदा रह सकते थे, इसलिए उनके घर और ज़मीन बेची गई—या बैंक ने वापस ले ली—ताकि वे अपना कर्ज चुका सकें. "डस्ट बाउल" से कई लोग नौकरी की तलाश में कैलिफ़ोर्निया भाग गए. कुछ को बड़े खेतों में कम वेतन वाले मज़दूर के रूप में काम मिला.

1941 के बाद बारिश आने तक वो भयानक सूखा खत्म नहीं हुआ. सरकार ने किसानों को ज़मीन की रक्षा के लिए पेड़ों की सुरक्षा बेल्ट लगाने का आदेश दिया. कॉनटूर जुताई से मिट्टी को उड़ने से रोकने में मदद मिली. कैलिफ़ोर्निया गए कई परिवारों को कभी बेहतर जीवन नहीं मिला और वे गरीब खेतिहर मज़दूर ही बने रहे. लेकिन जेक और मैगी जैसे कुछ परिवारों को नई नौकरियाँ मिल गईं और ऐसा जीवन मिला जो धूल के तूफ़ानों से ख़तरे से बचा था.